

दैनिक भारतीय बस्ती



भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 105 शुक्रवार 6 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

श्री हनुमत जन्मोत्सव समारोह 7 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री हनुमान मंदिर गांधीनगर में श्री हनुमत जन्मोत्सव समारोह उल्लास के साथ मनाया जायेगा। आयोजक पं. रामकिंकर शुक्ल 'गोपाल बाबा' ने बताया कि 5 नवम्बर से 7 नवम्बर तक अखण्ड श्रीराम चरित मानस पाठ, श्री दुर्गा सप्तशती पाठ, श्रीमद्भागवत, गीता पाठ, श्री बाल्मीकीय रामायण अर्न्तगत श्री सुन्दरकाण्ड पाठ एवं जाप का अनुष्ठान होगा। 7 नवम्बर को दिव्य हवन, जन्मोत्सव आरती के साथ अनुष्ठान का समापन होगा।

बताया कि कार्यक्रम संयोजन में विष्णु भगवान शुक्ल उर्फ सुरेन्द्र शुक्ल, मारूत नन्दन शुक्ल, स्वधा, ई. समीर, सुअन प्रसाद शुक्ल, क्षमा शुक्ला, प्रभंजन, सुअन प्रसाद शुक्ल आदि योगदान कर रहे हैं।

सौहार्द से मनाये त्यौहार–डीएम



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आगामी धनतेरश, दीपावली, भाईदूज, लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन एवं छठ पूजा त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने सभी लोगों से मिलजुल कर भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की परंपरा को कायम रखने के लिए अपील किया गया। उन्होंने सभी नागरिकों को त्यौहार की बधाई देते हुए सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की भी अपील किया।

उन्होंने स्वच्छता के संबंध में कहा कि साफ–सफाई हम सब की जिम्मेदारी है। बिजली की निर्बाध आपूर्ति, ढीले तारों को ठाइट तथा लोकल फाल्ट तत्काल ठीक करने के लिए उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित किया है। प्रतिमा विसर्जन के लिए ले जाने वाले रास्तों का सुदृढीकरण व समतलीकरण के लिए उन्होंने पीडब्ल्यूडी व ईओ नगरपालिका विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के लिए सभी घाट पर गोताखोर, नाव की आवश्यक व्यवस्था समय से कर ली जाय। इसके साथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन के दौरान समय का विशेष ध्यान रखा जाय। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी जाय। उन्होंने बताया कि लक्ष्मी प्रतिमा स्थापना सुरक्षित स्थान पर करें ताकि ट्रैफिक बाधित न हो, आरती एवं पूजन के दौरान मुकम्मल सुरक्षा रखें ताकि आग लगने का खतरा न हो। इसके लिए आवश्यक उपकरण की पर्याप्त व्यवस्था रखें। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि इस दौरान सीएचसी/पीएचसी पर पर्याप्त चिकित्सको की उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा सभी आवश्यक दवाए उपलब्ध हों। उन्होने यह भी बताया कि कलेक्ट्रेट कार्यालय में कंट्रोल रूम की स्थापना की गयी है, जिसका मो. नं.–05542–247128 है। किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उक्त नम्बर पर सूचना दें, जिससे किसी भी समस्या का तत्काल निस्तारण किया जा सकें। उन्होने कहा कि पर्व के दौरान रेहड़ी दुकानदार निर्धारित स्थान पर ही दुकान लगाये, जिससे यातायात प्रभावित न हों।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कान्त, सहायक पुलिस अधीक्षक सुश्री मानसी दहिया, सीएमओ डा. राजीव निगम, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, पीडी आनन्द कुमार गुप्ता, डीआईओएस संजय सिंह, सीवीओ डा. ए.के. गुप्ता, एआरटीओ धर्मेन्द्र कुमार, समस्त क्षेत्राधिकारी पुलिस, थाना अध्यक्ष तथा समिति के सदस्य/नागरिक गण उपस्थित रहे।

यूजीसी के विवादित नियमों पर कमेटी बनाने की तैयारी

नई दिल्ली (आभा)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के विवादित इक्विटी रेगुलेशंस 2026 को लेकर केंद्र सरकार नए सिरे से विचार कर रही है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह इन नियमों की समीक्षा के लिए एक कमेटी गठित करने पर विचार कर रही है। सरकार का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य छात्रों की चिंताओं को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी वर्ग के मन में भेदभाव,



असंतोष या आशंका की भावना न रहे।

यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल जनवरी में यूजीसी के इन नए नियमों पर रोक लगा दी थी। अदालत ने नियमों को लेकर उठे सवालों और उनके संभावित प्रभावों पर गंभीर चिंता जताई थी। अब केंद्र सरकार की ओर से कमेटी बनाने की बात सामने आने के बाद इन नियमों के भविष्य को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है।

अवसर मिला तो बस्ती के विकास को मिलेगी नई गति– राधेश्याम चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं 310 बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी राधेश्याम चौधरी ने बस्ती के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बस्ती को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए नई सोच, नए संकल्प और सकारात्मक इरादों के साथ काम करने की जरूरत है।



भाजपा नेता राधेश्याम चौधरी ने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें 310 बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र से जनता की सेवा करने का अवसर दिया, तो वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेंगे। उनका प्रयास होगा कि बस्ती में विकास की रफ्तार तेज हो और क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं एवं जरूरतों को प्राथमिकता मिले।

उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए केवल पद प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और क्षेत्र के विकास का अवसर है। बस्ती की पहचान विकास, बेहतर सुविधाओं और जनसरोकारों से जुड़े कार्यों के माध्यम से और मजबूत हो, इसके लिए वह निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

उन्होंने विश्वास जताया कि नई सोच और मजबूत इरादों के साथ बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई संभावनएं साकार की जा सकती हैं। पार्टी नेतृत्व का आशीर्वाद और जनता का सहयोग मिला तो बस्ती के विकास को नई दिशा और नई गति देने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे।

डीएम ने किया धान की क्राप कटिंग



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में खरीफ वर्ष 2026 के अन्तर्गत धान की पैदावार की वास्तविक आकलन करने के उद्देश्य से गुरूवार को जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना द्वारा ग्राम दुबखरा, तहसील बस्ती सदर में गाटा संख्या–419 श्रीमती धनपति पत्नी सीताराम के खेत पर 10 मी. समबद्ध त्रिभुज पर धान की कटाई प्रयोग का निरीक्षण किया गया। 43.33 वर्गमीटर में 17.660 किलोग्राम की पैदावार हुयी। इसके अनुसार प्रति हेक्टेयर पैदावार कमशः लगभग 41 कु./हे. का अनुमान लगाया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत अधिसूचित फसल धान पर काप कटिंग प्रयोग के आधार पर ग्राम पंचायत व पैदावार का आकलन कराया जाता है। इस दौरान उप कृषि निदेशक अशोक कुमार, अपर सांख्यिकी अधिकारी भूलेख अजय कुमार चौधरी, तहसीलदार रवि कुमार, राजस्व निरीक्षक सतीश चन्द्र, लेखपाल भरतलाल एवं ग्रामवासी मौके पर उपस्थित रहे।

एमएलसी चुनाव में वोट चोरी का आरोपः शिक्षकों, लोकतंत्र समर्थकों ने निर्वाचन आयुक्त को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना में हुई कथित धांधली एवं लोकतांत्रिक जनादेश के साथ खिलवाड़ के विरोध में गुरूवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के आह्वान पर मौन जुलूस निकाला गया और जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भेजा गया। शिक्षकों, कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं लोकतंत्र तथा संविधान में विश्वास रखने वाले नागरिकों ने सहभागिता कर निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की बहाली की मांग उठाई।



संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष विजेन्द्र वर्मा, प्रदेश मंत्री ध्रुव नारायण चौधरी एवं मंडलीय महामंत्री अटेवा दीपक सिंह प्रेमी ने संयुक्त रूप से कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय में 27 अक्टूबर को सम्पन्न गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना में जिस तरह की गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं, उनसे लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। लगभग 2800 मतों को अवैध घोषित किए जाने, मतपेटियों में मतपत्र लेखा से अधिक मत मिलने, पेपर सील टूटी होने तथा चौथे चक्र के 1612 मतों में अप्रत्याशित अंतर जैसे मामलों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

जिला अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा महामंत्री डॉ. सत्य प्रकाश मौर्य एवं जिला संयोजक अटेवा तौआब अली ने कहा कि संगठन द्वारा मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया, स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी फुटेज एवं वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने, उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन न रहने वाली स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने तथा संदिग्ध मतपत्रों की फोरेंसिक एवं हस्तलेख विशेषज्ञों से जांच कराने की मांग की गई है। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर चुनाव निरस्त कर पुनर्मतदान कराने एवं दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

मण्डलीय महामंत्री डॉ. श्रवण गुप्ता एवं जिला कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध वर्मा ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष अथवा संगठन के राजनीतिक हितों की लड़ाई नहीं है। यह देश के लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिक के मताधिकार की प्रतिष्ठा से जुड़ा सवाल है। लोकतंत्र में सत्ता किसी की भी हो, लेकिन मतदाता के जनादेश से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है। उपाध्यक्ष वीरेन्द्र वरुण एवं रमेश वर्मा ने कहा कि विडंबना है कि देश में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र बचाने की बात करते हैं, लेकिन जब लोकतांत्रिक व्यवस्था पर वास्तविक संकट आता है तो सवाल उठता है कि आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा के लिए कौन खड़ा होगा? उत्तर प्रदेश के शिक्षकों ने इस सवाल को जनता के बीच ले जाने का प्रयास किया है। हमारा स्पष्ट संदेश है कि चुनाव में जीत–हार महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि मतदाता के जनादेश का सम्मान सर्वोपरि है। लोकतंत्र में वोट की ताकत सुरक्षित रहनी चाहिए।

कार्यक्रम में डॉ. कमलेश चौधरी, रणविजय सिंह, सुरेंद्र मणि मिश्र, फूलचंद चौधरी राकेश कुमार सिंह, बाबू राम वर्मा, रामभवन,आलोक पटेल,दीपनारायण,वीरेंद्र यादव सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

–गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन के पुर्नमतदान की मांग

गणेश प्रतिमा का सिर खण्डित करने के मामले में विश्व हिन्दू महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में धार्मिक भावनाओं को आहत करने और गणेश प्रतिमा को खंडित करने का मामला सामने आया है। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने इस मामले में पुलिस एवं प्रशासन के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए गुरूवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में अखिलेश सिंह ने कहा है कि गत 26 अक्टूबर की रात में मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान बस्ती के अस्पताल चौराहा क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा का सिर खंडित कर दिया गया। आरोप है कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों एवं एसडीएम बस्ती द्वारा उक्त प्रतिमा को गायब करा दिया गया। आयोजकों को इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने प्रशासन के समक्ष नाराजगी जताई।

पत्र के मुताबिक, प्रतिमा खंडित किए जाने की सांजिश की जानकारी प्रशासन को पहले से थी, इसके बावजूद कोई पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई। घटना के बाद क्षेत्र में हिन्दू समाज के लोगों में काफी आक्रोश फैल गया। अखिलेश सिंह का दावा है कि वह स्वयं अस्पताल चौराहे पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत कराया तथा प्रशासन से कार्रवाई का आश्वासन दिलाया। अखिलेश सिंह ने आरोप लगाया कि इस दौरान पुलिसकर्मियों और उपजिलाधिकारी बस्ती ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसाने और फर्जी एनकाउंटर कराने की धमकी दी गई। उन्होंने इसे अपना मनोबल तोड़ने का प्रयास बताते हुए कहा कि तमाम असहयोग के बावजूद उन्होंने स्थिति को संभाला और शांति व्यवस्था भंग नहीं होने दी।

अखिलेश सिंह के अनुसार, उन्होंने मामले की जानकारी डीआईजी बस्ती को दी थी, जिसके बाद प्रकरण की निष्पक्ष जांच हुई और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोतवाली बस्ती के प्रभारी निरीक्षक और अन्य अधिकारियों ने उनके तथा उनके सहयोगियों के खिलाफ कथित तौर पर झूठे और काल्पनिक तथ्यों के आधार पर शांति भंग की कार्रवाई की।

विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने मुख्यमंत्री से मांग किया है कि मामले में संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विधिक, दंडात्मक एवं विभागीय कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी सरकार और संगठन की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने वालों में मुख्य रूप से कुलदीप मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ, विजय शंकर शुक्ला वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष गौरक्षा, शिवलाल प्रेमी जिला प्रभारी, विवेक श्रीवास्तव, सौरभ चतुर्वेदी, राजा बाबा, अभिषेक आर्य, अंकित सिंह, शिवम मिश्रा, आयुष सिंह, शुभम पाठक, शिवम पाल, अंकित सिंह आदि शामिल रहे।

–दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध हो कार्रवाई– अखिलेश सिंह

18 लाख कर्मचारियों को दीपावली का तोहफा

लखनऊ (आभा)। यूपी के 18 लाख कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। यूपी सरकार ने राज्य कर्मचारियों को 30 दिन का बोनस देने का ऐलान किया है। 2025–2026 के लिए 30 दिन का तदर्थ बोनस देने का शासनादेश जारी कर दिया गया है। आदेश के मुताबिक अलग–अलग कर्मचारियों के खाते में सात हजार रुपये तक बोनस का पैसा दिया जाएगा।

मुख्य सचिव दीपक कुमार द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि पूर्ण कालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों को बोनस का लाभ मिलेगा।

शिक्षकों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम, सीडीओ को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने गुरुवार को जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। संघ के जनपदीय मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की।



ज्ञापन में 10 नवम्बर को सदर तहसील में आयोजित जनगणना प्रशिक्षण की तिथि बदलने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। संघ का कहना है कि निर्धारित तिथि पर प्रशिक्षण में शामिल होने को लेकर शिक्षकों को होने वाली असुविधाओं को देखते हुए इसकी तिथि में परिवर्तन किया जाना चाहिए। इसके अलावा शिक्षक पदोन्नति प्रक्रिया में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक पदों पर पहले पदोन्नति दिए जाने की मांग की गई। संघ का तर्क है कि इस क्रम में पदोन्नति होने से रिक्त होने वाले पदों के कारण आगे की पदोन्नति प्रक्रिया में अधिक शिक्षकों को अवसर मिल सकेगा। साथ ही पदोन्नति में शिक्षकों को बैचवार वरीयता दिए जाने की मांग भी की गई, जिससे वरिष्ठता और नियुक्ति के बैच के आधार पर शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ मिल सके। संघ ने छोटी दीपावली पर अवकाश घोषित किए जाने की मांग भी जिला प्रशासन के समक्ष रखी। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि शिक्षक लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पदोन्नति प्रक्रिया में ऐसा क्रम अपनाया जाना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक शिक्षकों को इसका लाभ मिल सके। बैचवार वरीयता का पालन होने से शिक्षकों के बीच पदोन्नति को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जनगणना प्रशिक्षण की तिथि में बदलाव किया जाना चाहिए। साथ ही पदोन्नति प्रक्रिया को न्यायसंगत और पारदर्शी बनाने के लिए बैचवार वरीयता का ध्यान रखना जरूरी है। इससे शिक्षकों को उनका उचित अधिकार मिल सकेगा। जिला संगठन मंत्री अविनाश दुबे ने कहा कि शिक्षकों की मांगें व्यावहारिक हैं। छोटी दीपावली पर अवकाश घोषित करने के साथ ही पदोन्नति संबंधी मांगों पर भी सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन शिक्षकों के हितों से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाता रहेगा। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से विवेक प्रताप सिंह, विजय, प्रवीण श्रीवास्तव, संजय यादव, अश्विनी पाण्डेय, विजय यादव,अनिल पाठक, सुरेश गौड़, नवीन सिंह, बृजेश त्रिपाठी , सनद पटेल, राम सुरेश, अनुराग श्रीवास्तव, गौरी नंदन शुक्ल, पवन कुमार, देवमणि त्रिपाठी, हरेंद्र यादव, मुरलीधर, अखिलेश पाण्डेय, मंगला मौर्य, राम ललित, विजय राव, बब्बन पाण्डेय आदि शामिल रहे।

–जनगणना प्रशिक्षण की तिथि बदलने, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक पदों पर पहले पदोन्नति करने की उठाई माँग

सेन्ट्रल एकेडमी में उल्लास से मनाया गया दीपावली का पर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेन्ट्रल एकेडमी में दीपावली का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। छात्र–छात्राओं ने रंगोली, बनाकर दीये सजाये।



प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को दीपोत्सव के पंच पर्व की जानकारी देते हुये बताया कि यह उत्सव हमें जीवन के अंधकार से प्रकाश की ओर चलने का संदेश देता है।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं राजश्री तिवारी, ज्योति, कान्हा, शिवाय, वेदांश, सात्विक, ऋचा, अरमान, अक्षय, अवनीश, दर्पण, अतुल, मानसी, रौनक, सृष्टि, आयुष, आदित्री, खुशी, फरहान, शाश्वत, अभिज्ञान बाल्मीकि, अलका, आराध्या पाण्डेय, गरिमा पाण्डेय, अंजली, ऐंजल, मोहिनी, अलका, अदिति मिश्रा, दिव्याशी, अन्वी, निशिका, गरिमा, मानसी, खुशी, प्रियाशी, वेदांश, देवांश, रवि, आरोही, रितिका, सौम्या, श्रेष्ठ, प्राजल, अंशी, श्रद्धा, सौम्या, अर्नव, उज्जवल, रितिक, पारूल, अक्षय, निधि, निधिता आदि ने रोचक रंगोली बनाकर दीये सजाने के साथ ही दिये बनाये। विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया गया।

मुख्य रूप से आबिद अरशद, सुधा गौड़, प्रियंका त्रिपाठी, रूचि, अतुल, इशिका, अंजली, रूबीना, मुदस्सर, रानी विश्वकर्मा, फिजा यूनुस, फिजा अकरम आदि ने छात्रों को दीप पर्व की विस्तार से जानकारी दिया। निदेशक जे.पी. तिवारी ने दीप पर्व का उपहार भेंट किया।

शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण करने का आरोप, विरोध पर जान से मारने की धमकी, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के लालगंज थाना क्षेत्र की एक युवती ने गांव के ही एक युवक और उसके परिजनों पर शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने तथा शादी से इनकार करने पर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक बस्ती को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर से कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।



पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि लालगंज थाना क्षेत्र की पीड़िता का आरोप है कि गांव के ही सनी भारती पुत्र ओम प्रकाश ने वर्ष 2011 में उसे प्रेमजाल में फंसा लिया था। उस समय पीड़िता नाबालिग थी और उसे अच्छे–बुरे की समझ नहीं थी। आरोप है कि युवक ने डरा–धमकाकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए तथा कई बार गर्भवती होने पर उसका गर्भपात भी कराया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी ने उसके अश्लील वीडियो बना लिए थे और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करता रहा।

पीड़िता के मुताबिक, आरोपी शादी का झांसा देकर लगातार उसका शोषण करता रहा। जब भी वह शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करती थी, तो आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देता था। अक्टूबर 2025 में जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी शादी से मुकर गया।

इसके बाद पीड़िता ने 10 अक्टूबर 2025 को लालगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई के दौरान आरोपी सनी को थाने बुलाया गया, जहां उसने पीड़िता से शादी करने की सहमति दी। आरोप है कि 18 अक्टूबर 2025 को आरोपी सनी और पीड़िता के हस्ताक्षर से एक सहमति पत्र स्टांप पेपर पर तैयार किया गया, जिसमें अक्टूबर–नवंबर 2026 में शादी करने की बात लिखी गई थी। उक्त स्टांप पेपर आरोपी के पिता ओम प्रकाश के पक्ष में जारी होने की बात भी प्रार्थना पत्र में कही गई है।

पीड़िता का आरोप है कि तय समय के अनुसार जब उसने आरोपी और उसके परिवार से शादी की बात की तो सनी, उसके पिता ओम प्रकाश, माता गीता देवी और भाई उमेश ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। आरोप है कि इस दौरान पीड़िता और उसके परिजनों को गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। सनी के पिता और भाई ने कथित तौर पर धमकी दी कि यदि वह दोबारा शादी की बात लेकर उनके दरवाजे पर आई तो उसकी हत्या कर शव गायब कर दिया जाएगा।

पीड़िता ने शिकायती पत्र में कहा है कि आरोपी और उसके परिजनों की धमकियों से वह तथा उसका परिवार भयभीत है। उसने मामले में साजिश के तहत लंबे समय तक शारीरिक शोषण किए जाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए लालगंज थानाध्यक्ष को आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाए, ताकि उसे न्याय मिल सके।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 नवम्बर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

जहरीली होती हवा

नवंबर का महीना आते ही देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की समस्या फिर गंभीर होने लगती है। आसमान में धुंध छाने लगती है, सड़कों पर धूल और धुएं का असर बढ़ जाता है और लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। इस बार भी हालात कुछ अलग नहीं हैं। वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी से निकलकर बेहद चिंताजनक स्तर की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर हर साल सर्दियों में प्रदूषण का संकट इतना गंभीर क्यों हो जाता है और इससे निपटने की स्थायी व्यवस्था अब तक क्यों नहीं बन पाई?

प्रदूषण बढ़ते ही सरकारी विभाग सक्रिय हो जाते हैं। कहीं निर्माण कार्यों पर रोक लगाई जाती है तो कहीं पानी का छिड़काव शुरू होता है। पराली जलाने वाले किसानों पर कार्रवाई की बात होती है और वाहनों से निकलने वाले धुएं को नियंत्रित करने के लिए नए निर्देश जारी किए जाते हैं। कुछ दिनों तक बैठकों और आदेशों का दौर चलता है, लेकिन मौसम बदलने के साथ ही यह समस्या फिर सामने आ खड़ी होती है।

यह मानना गलत होगा कि प्रदूषण के लिए कोई एक वर्ग या एक कारण जिम्मेदार है। खेतों में पराली जलाना, वाहनों का धुआं, उद्योगों से निकलने वाला प्रदूषण, निर्माण कार्यों की धूल और कचरा जलाने जैसी गतिविधियां मिलकर हालात बिगाड़ती हैं। इसलिए इसका समाधान भी किसी एक पर कार्रवाई करके नहीं निकाला जा सकता।

किसानों को केवल दोषी ठहराने से समस्या खत्म नहीं होगी। उन्हें फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, आर्थिक सहायता और व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध कराने होंगे। इसी तरह शहरों में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण तथा निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन कराना जरूरी है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि प्रदूषण का असर केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव आसपास के शहरों और दूसरे राज्यों तक पहुंचता है। बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी परेशानियों से जूझ रहे लोगों के लिए यह स्थिति और भी मुश्किल पैदा करती है। स्वच्छ हवा कोई विशेष सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की बुनियादी जरूरत है।

सरकारों को यह समझना होगा कि प्रदूषण से निपटने की तैयारी नवंबर में नहीं, बल्कि साल के शुरुआती महीनों से होनी चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल, प्रदूषण के स्रोतों की नियमित निगरानी और तय योजनाओं पर लगातार काम करना जरूरी है।

हर साल सर्दियों में हवा जहरीली होने के बाद बैठकें करना और कुछ दिनों की सख्ती दिखाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जिसमें प्रदूषण बढ़ने का इंतजार ही न करना पड़े। आखिर विकास का उद्देश्य लोगों को बेहतर जीवन देना है, न कि ऐसी हवा में सांस लेने को मजबूर करना जिससे उनका स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाए।

साफ हवा किसी सरकार की उपलब्धि का विज्ञापन नहीं, बल्कि जनता का अधिकार है। इस अधिकार की रक्षा के लिए घोषणाओं से आगे बढ़कर स्थायी और जवाबदेह कदम उठाने होंगे।

सड़क सुरक्षा

उत्तर प्रदेश में नवंबर महीने की शुरुआत के साथ ही यातायात माह का आगाज हो गया है। पुलिस और परिवहन विभाग लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चला रहे हैं। कहीं जागरूकता रैली निकाली जा रही है तो कहीं स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई जा रही है। हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा और वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करने जैसे नियमों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

हर साल नवंबर में यातायात माह मनाया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या एक महीने का अभियान सड़कों पर बढ़ती अव्यवस्था और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त है? यातायात नियमों की जानकारी लोगों को पहले से है, इसके बावजूद बड़ी संख्या में वाहन चालक इनकी अनदेखी करते हैं। कोई बिना हेलमेट बाइक चलाता है तो कोई कार में सीट बेल्ट लगाना जरूरी नहीं समझता। कुछ लोग जल्दी पहुंचने की होड़ में गलत दिशा से वाहन निकालते हैं और चौराहों पर यातायात संकेतों की परवाह तक नहीं करते।

सड़क हादसों के पीछे केवल वाहन चालकों की लापरवाही ही जिम्मेदार नहीं होती। सड़कों की खराब स्थिति, जगह–जगह गड्ढे, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और यातायात व्यवस्था की कमजोरियां भी दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। कई शहरों में सड़कों के किनारे ठेले और दुकानें लगने से रास्ते संकरे हो जाते हैं। चौराहों पर अव्यवस्थित वाहन खड़े रहते हैं और पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित रास्ता तक उपलब्ध नहीं होता।

बस्ती जैसे जिलों में भी यातायात व्यवस्था को लेकर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। शहर के प्रमुख चौराहों और बाजारों में जाम की समस्या आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करती है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को भीडभाड़ वाले रास्तों से गुजरना पड़ता है। ऐसे में केवल चालान काटने से व्यवस्था में स्थायी सुधार नहीं हो सकता। सड़कों से अतिक्रमण हटाना, पार्किंग की उचित व्यवस्था करना और प्रमुख चौराहों पर यातायात कर्मियों की नियमित तैनाती भी जरूरी है।

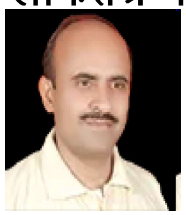
यातायात पुलिस की जिम्मेदारी केवल नियम तोड़ने वालों का चालान करना नहीं, बल्कि लोगों को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराना भी है। वहीं वाहन चालकों को भी यह समझना होगा कि सड़क पर उनकी छोटी सी लापरवाही किसी दूसरे परिवार की खुशियां छीन सकती है। दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए भी हेलमेट जरूरी है। चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट और वाहन चलाते समय संयम किसी औपचारिकता का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के उपाय हैं।

सरकार और प्रशासन को यातायात माह को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रखना चाहिए। नवंबर के बाद भी नियमों का पालन कराने और सड़क सुरक्षा की निगरानी का सिलसिला जारी रहना चाहिए। दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान कर वहां सुधार कराया जाए। खराब सड़कों की मरम्मत हो, संकेतक लगाए जाएं और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर बिना भेदभाव कार्रवाई की जाए।

सड़क किसी एक व्यक्ति की नहीं होती। उस पर चलने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा एक–दूसरे के व्यवहार और प्रशासन की व्यवस्था पर निर्भर करती है। इसलिए सुरक्षित यातायात के लिए पुलिस, प्रशासन और जनता तीनों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

यातायात माह तभी सफल माना जाएगा, जब नवंबर खत्म होने के बाद भी सड़कों पर अनुशासन दिखाई दे और हादसों में कमी आए। आखिर किसी व्यक्ति का सुरक्षित घर पहुंचना किसी भी चालान या जागरूकता रैली से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र की मजबूती और राजनीतिक पद यात्राओं के बदलते मायने



—कमलेश पाण्डेय—



उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग (छव।) और कांग्रेस नीत इंडी (फ्छक्-।) गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (च्व।) वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं। ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है? भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे–धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर–तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है।

सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैंरू तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्वरु 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया। वहीं, 3 नवंबर को ही बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को समझने की सफल कोशिश की। वहीं, 4 नवंबर को गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही कानपुर में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पदयात्रा करेंगे। वहीं, 5 नवंबर को गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा होगी।

तीन नवंबर को लखनऊ में लोकभवन से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा का आयोजन किया गया है। पार्टी ने इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया। दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैज्) और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। इसलिए भाजपा ने श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश जैसा दूरगामी असर वाला राजनीतिक संदेश चुना है। इसका अर्थ है कि पार्टी बहस को विपक्ष के आरोपों से हटाकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक आचरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर केंद्रित करना चाहती है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक सभाओं से नहीं, बल्कि पारदर्शी तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से भी देना आवश्यक होगा।

तीसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर एसआईआर और मतदाता सूची की बहस का राजनीतिक महत्व क्या है? इस अभियान के पीछे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (ैज्) भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। इस मुद्दे पर दो अलग–अलग राजनीतिक दृष्टिकोण सामने हैंरू एक, भाजपा का पक्षरू मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। पार्टी इस प्रक्रिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना चाहती है। दो, विपक्ष का पक्षरू मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, पारदर्शिता और प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं उठाई जा रही हैं। यहां महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता, उचित सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के प्रभावी अवसर के साथ हो रहा है? लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए पदयात्रा के राजनीतिक संदेश के साथ–साथ एसआईआर पर तथ्यात्मक संवाद भी इस अभियान की कसौटी रहेगा।

चौथा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की राज़नीतिक भूमिका और नेतृत्व का प्रदर्शन कैसा रहेगा? इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय भागीदारी के कई राजनीतिक पहलू हैं। एक, सरकार और संगठन के बीच तालमेल का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं की भागीदारी से अभियान को राष्ट्रीय और प्रादेशिक दोनों स्तरों पर महत्व मिलता है।

जम्मू–कश्मीर में शांति और सियासी संकट



—संतोष कुमार पाठक—



ऐसे हालात में जम्मू कश्मीर में राजनीतिक स्थिरता बहुत जरूरी है और इसके लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को तुरंत कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। पाकिस्तान इस हालात का फायदा उठाकर कोई बड़ी हरकत करने में कामयाब ना हो जाए, इससे बचने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भी फौरन सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और इंटेलिजेंस के साथ मिलकर बड़ी रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। यह समय बहुत महत्वपूर्ण है

देश के कई अन्य राज्यों की तरह अब जम्मू कश्मीर में भी राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई है। राज्य की उमर अब्दुल्ला की सरकार गहरे संकट में फंस गई है क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के सांसद, विधायक और कई अन्य दिग्गज नेता उनके खिलाफ हो गए हैं। बडगाम से तीन बार विधायक रह चुके और 2024 के लोकसभा चुनाव में श्रीनगर से सांसद चुने गए नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा रुहुल्लाह मेहंदी ने सांसदी छोड़ने का ऐलान करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उमर अब्दुल्ला को लेकर उनकी अपनी ही पार्टी में नाराजगी इस हद तक बढ़ चुकी है कि रुहुल्लाह ने मंगलवार को बडगाम में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित की गई जनसभा में ही पार्टी और सांसदी, दोनों छोड़ने का ऐलान कर दिया। अब्दुल्ला परिवार की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर की पार्टी है और खासतौर से इसका प्रभाव कश्मीर घाटी में ही ज्यादा माना जाता है। कश्मीरियों के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा वापस हासिल करना एक भावनात्मक मुद्दा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला हो या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, दोनों ही राज्य को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ–साथ अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का मुद्दा भी जोर–शोर से उठाते रहे हैं। ऐसे में आगा रुहुल्लाह मेहंदी के आरोपों ने पार्टी की बुनियाद को ही हिला दिया है। पार्टी छोड़ने का ऐलान करते समय उन्होंने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला बीजेपी के दबाव में 370 पर अपना रुख बदल चुके हैं।

वैसे पार्टी में बगावत की शुरुआत विधायकों का एक गुट पहले ही कर चुका है। पार्टी के 25 विधायकों ने रविवार को ही फारूक और उमर अब्दुल्ला को 14 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं। आपको याद दिला दें कि, 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद – 370 को हटाने के साथ ही इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था।जम्मू कश्मीर से लद्दाख को अलग कर, दोनों ही इलाके को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इसके लगभग 5 वर्ष बाद सितंबर–अक्टूबर 2024 में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाए गए। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा। गठबंधन में हुए समझौते के मुताबिक, एनसी के हिस्से में 51 और कांग्रेस के हिस्से में 32 सीटें आईं और 5 सीटों पर दोनों दलों के उम्मीदवारों के बीच दोस्ताना मुकाबला हुआ।

विधानसभा चुनाव में एनसी–कांग्रेस और अन्य पार्टियों के गठबंधन को जीत हासिल हुई। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में एनसी ने 42, बीजेपी ने 29 और कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल की। लेकिन मुख्यमंत्री की कमान संभालने के साथ ही उमर अब्दुल्ला के सामने कई मुश्किलें भी आने लगी। सबसे पहले झटका तो यही लगा कि कांग्रेस ने सरकार में शामिल होने से इनकार करते हुए बाहर से समर्थन देने का ऐलान कर दिया।

इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं को पूर्ण राज्य और अनुच्छेद 370 के जमाने की सरकार चलाने की आदत थी लेकिन इस सरकार में उन्हें कदम–कदम पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का सामना करना पड़ रहा था और दिल्ली की तरह जम्मू कश्मीर की पुलिस भी उनके अधीन नहीं थी।

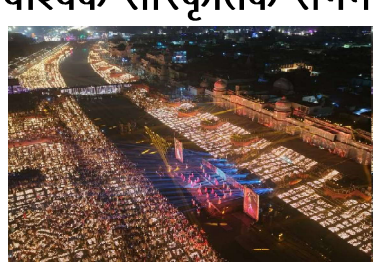
रही–सही कसर पार्टी नेताओं में उभरे असंतोष ने पूरी कर दी। नाराज विधायकों का अपने ही मुख्यमंत्री के खिलाफ 4 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाकर मांगों की लंबी–चौड़ी फेहरिस्त रख देना अपने आप में एक बड़ा इशारा करता है कि हालात हाथ से निकल चुके हैं। नाराज विधायक उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, सलाहकार पद से नासिर सोगामी के साथ ही ऐसे मंत्रियों को भी हटाने की मांग कर रहे हैं जो 2 साल से उमर अब्दुल्ला की सरकार में मंत्री है। वैसे तो इसे एक केन्द्र शासित प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर मचे घमासान की खबर कहकर टाला जा सकता है। लेकिन हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि भारत के सिर के इस ताज जम्मू कश्मीर पर नापाक पाक की बुरी नजर हमेशा लगी रहती है। पाकिस्तान में लगातार खराब होते राजनीतिक हालात, बिगड़ती अर्थव्यवस्था, बेलगाम होती जा रही महंगाई और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर के हिस्से में लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान लंबे समय से राज्य के हालात को खराब करने का मंसूबा बना रहा है।

ऐसे हालात में जम्मू कश्मीर में राजनीतिक स्थिरता बहुत जरूरी है और इसके लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को तुरंत कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। पाकिस्तान इस हालात का फायदा उठाकर कोई बड़ी हरकत करने में कामयाब ना हो जाए, इससे बचने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भी फौरन सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और इंटेलिजेंस के साथ मिलकर बड़ी रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। यह समय बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए राज्य में राजनीतिक स्थिरता और शांति कायम रखने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अब्दुल्ला सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

अयोध्या का वैश्विक सांस्कृतिक संगम



पंडित अविजीत चक्रवर्ती



रामनगरी अयोध्या में पवित्र सरयू के तट पर जब लाखों दीये एक साथ झिलमिलाते हैं, तो यह दृश्य केवल अंधकार पर प्रकाश के विजय का प्रतीक नहीं होता, बल्कि यह संपूर्ण मानवता के अंतर्मन को रोशन करने वाला अलौकिक अनुभव बन जाता है. दीपोत्सव–2026 भी एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जहां श्री राम की पावन नगरी अयोध्या विश्व पटल पर श्सांस्कृतिक संगमश के सबसे बड़े और देदीप्यमान केंद्र के रूप में उभरी है.

यह आयोजन आस्था की सीमाओं से विस्तार लेकर, देश–दुनिया के कलाकारों के लिए एक ऐसा भव्य वैश्विक मंच बन गया है, जहां कला सीधे परमात्मा से संवाद करती है. विभिन्न देशों, संस्कृतियों और भाषाओं से जुड़े कलाकार जब राम की पैड़ी पर अपनी कला, संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से रामकथा के आदर्शों को जीवंत करते हैं, तो पूरी दुनिया एक ही सुर में बंधी नजर आती है. यह इस बात का उद्घोष है कि श्री राम केवल एक भूभाग के नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के हैं. अयोध्या और राम के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आस्था और सोच का जीवंत रूप है यह दीपोत्सव, जो इस बार दशक मनाने जा रहा है. दसवां पड़ाव किसी भी यात्रा में केवल एक संख्या नहीं होता. वह ठहरकर पीछे देखने और आगे की राह तय करने का क्षण होता है. एक दशक पहले जो संकल्प अयोध्या के घाटों को दीपों से सजाने के रूप में शुरू हुआ था, आज वह ऐसे वैश्विक सांस्कृतिक पर्व में ढल चुका है, जिसकी प्रतीक्षा देश ही नहीं, दुनिया के अनेक कोनों में होती है. यहां दीपक की लौ के साथ भाषाओं की मिठास, वेशभूषाओं के रंग, लोकधुनों की गूंज और अनेक देशों की श्रद्धा एकाकार होगी तो उत्सव अयोध्या की सीमाओं से निकलकर विश्व की सांस्कृतिक चेतना के पर्व के रूप में बढ़ता दिखाई देगा. इस वर्ष का सबसे उल्लेखनीय पक्ष है पांच देशों के कलाकारों द्वारा अपनी–अपनी परंपराओं और शैलियों में रामलीला का मंचन. दक्षिण अफ्रीका की दो टीमों के साथ श्रीलंका, नेपाल, लाओस और थाईलैंड के कलाकार अयोध्या की पावन भूमि पर श्रीराम की कथा अपने ढंग से प्रस्तुत करेंगे. फिलीपींस, थाईलैंड और रूस के कलाकारों की भागीदारी की तैयारियां भी जारी हैं. यह तथ्य स्वयं कहता है कि भगवान राम किसी एक भूगोल, भाषा या समुदाय की धरोहर नहीं हैं. वह उस मानवीय आदर्श के प्रतीक हैं, जिसे हर संस्कृति ने अपने स्वर में पहचाना, अपनाया और गाया है. रामकथा की यात्रा दुनिया के अनेक देशों में गूंजती है. दक्षिण–पूर्व एशिया के मंचों पर रामायण सदियों से नृत्य, नाट्य और कठपुतलियों में सांस लेती रही है. थाईलैंड, लाओस, नेपाल और श्रीलंका की भूमि रामायण की स्मृतियों से सींची हुई है. यहां दूसरे देशों से आई रही रामलीलाओं के पात्रों के नाम, परिधान और प्रस्तुति की शैली भले भिन्न हों, कथा का मूल स्वर एक ही है और वह है मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्य की विजय. ये अलग–अलग धाराएं अयोध्या में आकर मिलेंगी. जैसे अनेक नदियां एक ही सागर की ओर प्रवाहित होती हैं, वैसे ही ये सभी प्रस्तुतियां उसी एक रामत्व की ओर बहती दिखेंगी. भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी समावेशी प्रकृति है. हमारी परंपरा ने कभी यह आग्रह नहीं रखा कि सत्य केवल एक रूप में कहा जाए. इसीलिए एक ही रामकथा सैकड़ों रूपों में कही और सुनी गई है. दीपोत्सव का यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप उसी उदार दृष्टि का आधुनिक विस्तार है. जब कोई अफ्रीकी कलाकार अपनी लय में रावण–वध का मंचन करेगा, या कोई लाओटियन नर्तक अपनी भंगिमाओं में सीता की पीड़ा को उकेरेगा, तब दर्शक अनुभव करेंगे कि करुणा और धर्म की भाषा को किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती, वह सीधे हृदय से हृदय तक पहुंचती है. देश के भीतर की विविधता इस आयोजन को उतना ही समृद्ध करेगी. असम, बंगाल, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर और केरल के कलाकार रामचरित्र और रामकथा पर आधारित प्रस्तुतियां देंगे. भारत का हर अंचल, हर राज्य राम को अपने भाव में देखता है. पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक फैली यह विविधता उस एकता की साक्षी है, जिसे राम के नाम ने सदियों से एक सूत्र में पिरोए रखा है. इस अर्थ में अयोध्या का मंच एक साथ लघु भारत भी होगा और लघु विश्व भी. संस्कृति विभाग की योजना के अनुसार छह लघु, चार मध्यम और दो दीर्घ मंच तैयार किए जाएंगे, जहां लगभग 2500 भारतीय और विदेशी कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे. यह संख्या इस विश्वास का भी प्रमाण है कि कला को मंच देना समाज की सबसे सार्थक सेवाओं में से एक है. बारह मंचों पर एक साथ प्रवाहित संगीत, नृत्य और रंगमंच की धारा कुछ दिनों के लिए अयोध्या को कला की जीवंत राजधानी बनाएगी.

राम मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की पहचान में एक नया अध्याय जुड़ा है. अब यह नगरी केवल तीर्थ नहीं, सांस्कृतिक पर्यटन का भी प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है. तीर्थयात्री यहां दर्शन के लिए आता है, जबकि सांस्कृतिक यात्री अनुभव के लिए. वह कथा सुनना चाहता है, परंपराओं को समझना चाहता है और अपने भीतर कुछ नया महसूस करना चाहता है. दीपोत्सव का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप यहां दो भावों को जोड़ता है– श्रद्धा को अनुभव से और अनुभव को समझ से. इस सांस्कृतिक संगम के आध्यात्मिक संदेश को भी समझना जरूरी है. दीपक की विशेषता यह है कि वह स्वयं जलकर दूसरों को उजाला देता है, उसकी लौ से हजार दीप जल उठें तब भी उसका प्रकाश घटता नहीं. संस्कृतियों का संवाद भी ऐसा ही है. जब हम दूसरों की परंपराओं को सम्मान के साथ अपने मंच पर स्थान देते हैं, तो हमारी अपनी पहचान और उजली हो उठती है. रामकथा का सबसे बड़ा संदेश भी यही है कि मर्यादा केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, सामूहिक जीवन की आधारशिला है. राम ने वनवास में भी निषादराज को गले लगाया, शबरी के जूठे बेरों को सम्मान दिया और वानर–भालुओं को साथ लेकर धर्म की स्थापना की. उनका संपूर्ण जीवन समावेश और सहअस्तित्व का उदाहरण है. दीपोत्सव का वैश्विक रूप उसी आदर्श की समकालीन अभिव्यक्ति है.

बैंक का बीसी संचालक 50 लाख से ज्यादा लेकर फरार

संवाददाता—बहराइच। सलारगंज इलाके में बैंक ऑफ इंडिया के बीसी संचालक पर लोगों के 50 लाख रुपये से ज्यादा हड़पने का आरोप है। शिकायत के मुताबिक, वह खाताधारकों से रुपये लेकर फर्जी रसीद देता था, लेकिन रकम बैंक में जमा नहीं करता था। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरगाह थाना क्षेत्र के निवासी शमशाद ने बैंक ऑफ इंडिया की फ्रेंचाइजी ली थी। सलारगंज में चल रहे इस केंद्र पर महिलाएं और दूसरे खाताधारक अपने बैंक खातों में रुपये जमा करते थे। कई लोगों ने शमशाद के जरिए एफडी भी कराई थी।

गुरुवार को कुछ खाताधारक अपने खातों में जमा रकम की जानकारी लेने पहुंचे। उन्हें पता चला कि बैंक में रुपये जमा नहीं हुए हैं। इसके बाद कई पीड़ित एकजुट होकर सामने आए।

सलारगंज निवासी मीना ने बताया कि आरोपी ने उनसे एफडी कराने के नाम पर 14 लाख रुपये लिए, लेकिन बैंक में जमा नहीं किए। आरोप है कि कई लोगों की जमा पूंजी भी हड़पी गई। धोखाधड़ी की शिकायत लेकर महिलाओं ने जिलाधिकारी से न्याय की मांग की है।

सरस मेले में स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी पर जोर



संवाददाता—श्रावस्ती। भिनगा स्थित रामलीला मैदान, ठाकुरद्वारा में तीन दिवसीय सरस मेला चल रहा है। यह 6 नवंबर तक चलेगा। मेले में आमजन के लिए प्रवेश निशुल्क रखा गया है। गुरुवार शाम 4 बजे दुकानदारों ने बताया कि मेले से उन्हें अच्छी आमदनी होती है। मेले का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत और लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देना है। मेले में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें मिट्टी के बर्तन, हस्तशिल्प, ड्राईफ्रूट्स, खादी वस्त्र, पटाखे, ओडीओपी सहित विभिन्न स्वदेशी और स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग और मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न उत्पादों की खरीदारी कर स्थानीय कारोबारियों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान अधिकारियों ने जनगणना सेल्फी स्टैंड पर सेल्फी भी खिंचवाई। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने कहा कि सरस मेले का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है। इसके जरिए स्थानीय कारीगरों, हस्तशिल्पियों और छोटे उद्यमियों को अपनी कला और कौशल दिखाने का बेहतर मंच मिलता है।

यह मेला केवल खरीद–बिक्री का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय हुनर को पहचान दिलाने का अवसर भी है। उन्होंने लोगों से दीपावली पर स्वदेशी उत्पाद खरीदने और जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने कहा कि इस आयोजन से छोटे कामगारों और उद्यमियों को बड़ा बाजार मिलेगा। उन्होंने जिले के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करने और श्रावस्ती को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने की अपील की।

अवैध पटाखे बेचने के आरोप में तीन गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। दीपावली से पहले पुलिस प्रशासन ने अवैध पटाखा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोनौली और श्यामदेउरवा थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर बड़े पैमाने पर अवैध पटाखों बरामद किए हैं। एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि आने वाले दिनों में दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। इसे देखते हुए अवैध पटाखों की बिक्री और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को अवैध पटाखों के साथ गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 20 बोरी, एक झोला और एक कार्टन पटाखे बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि सोनौली कोतवाली क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में भी पुलिस ने छापेमारी कर बड़े पैमाने पर अवैध पटाखे बरामद किए हैं। इस मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

उन्होंने कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि जिले में कहीं भी अवैध पटाखों का कारोबार या भंडारण न हो। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है और लोगों की जान–माल के साथ खिलवाड़ करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

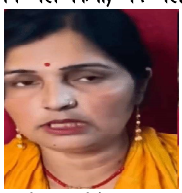
शिक्षक एमएलसी चुनाव की मतगणना में धांधली का आरोपः मौन प्रदर्शन कर दोबारा वोटिंग की मांग



संवाददाता—देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना में धांधली का आरोप लगाया। संगठन ने गुरुवार शाम 5 बजे सुभाष चौक से कलेक्ट्रेट तक मौन प्रदर्शन किया और चुनाव रद्द कर दोबारा मतदान कराने की मांग की। जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह और जिला मंत्री सत्येंद्र कुमार सिंह ने निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भेजा। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया और स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और गिने गए मतपत्र सुरक्षित रखने की मांग की। जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह ने आरोप लगाया कि 27 अक्टूबर को गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में मतगणना के दौरान कई अनियमितताएं हुईं। उनके मुताबिक, प्रत्याशी राजीव यादव के पक्ष के विवादित मतपत्रों को निर्वाचन अधिकारी ने अमान्य माना, जबकि इसी तरह के भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के मतपत्रों को वैध माना गया। संगठन ने करीब 2,800 मतपत्रों को अवैध घोषित किए जाने पर सवाल उठाया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि बूथ संख्या 115 की मतपेटी में मतपत्र लेखा में दर्ज संख्या से 52 ज्यादा मतपत्र मिले। बूथ संख्या 111 की मतपेटी की पेपर सील टूटी थी और बूथ संख्या 86 की मतपेटी पर पेपर सील नहीं लगी थी। संगठन ने मतगणना के हर चक्र का प्रमाणित टेबुलेशन नहीं देने और चौथे चक्र की मतगणना को लेकर विवाद होने की बात भी कही। संगठन ने चौथे चक्र के 1,612 मतपत्रों और प्रत्याशी अजय सिंह के प्रथम वरीयता वाले मतपत्रों की फॉरेंसिक और हस्तलेख विशेषज्ञ से जांच कराने की मांग की। उनसे पूरी मतगणना प्रक्रिया की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने को भी कहा। आरोपों की पुष्टि होने पर चुनाव रद्द कर दोबारा मतदान कराने की मांग की गई।

बड़े नेताओं का बिस्तर गर्म नहीं किया, पद नहीं मिला -पूनम जायसवाल

संवाददाता—कुशीनगर। भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व पदाधिकारी ने कहा– कुशीनगर भाजपा में रामलीला नहीं रासलीला चल रही। मैं तो यही जानती हूं कि मैंने बड़े–बड़े नेताओं का बिस्तर गर्म नहीं किया, इसलिए मुझे पद नहीं मिला और मेरा पुराना पद भी खत्म कर दिया गया। ये आरोप कुशीनगर भाजपा की पूर्व जिला मीडिया प्रभारी पूनम जायसवाल ने लगाए हैं। उन्होंने बुधवार को एक वीडियो जारी कर भाजपा महिला मोर्चा की नई जिला कार्यसमिति की सूची जारी होने के बाद संगठन में पदों के बंटवारे पर गंभीर सवाल उठाए। पूनम जायसवाल ने कहा, मेरे पास इतना पैसा नहीं था कि पैसे के दम पर पद हासिल कर सकूं। मेरे पास सिर्फ मेहनत, संघर्ष और सम्मान था। इसी के आधार पर मैं राजनीति में काम कर रही थी। मेरे पास न तो किसी को देने के लिए पैसा था और न ही इस तरह का कोई समझौता करने की इच्छा। इसलिए मुझे पद नहीं मिला। पूरी पार्टी खराब नहीं है। मोदी–योगी भी खराब नहीं हैं, लेकिन कुशीनगर में जो रामलीला और



रासलीला चल रही है, उस पर सवाल उठना जरूरी है। आज एक–एक व्यक्ति से पूछ लीजिए, शायद ही कोई ऐसा होगा जो पूनम जायसवाल को नहीं जानता होगा। इसके बावजूद मेहनत करने वाले और समर्पित कार्यकर्ताओं को किनारे कर दिया गया।

मैं कट्टर भाजपाई रही हूं लेकिन स्थानीय संगठन के कुछ लोगों की कार्यप्रणाली ने मुझे बगावत करने के लिए मजबूर कर दिया है। इसके लिए जिम्मेदार भी यही लोग हैं। भाजपा महिला मोर्चा की नई जिला कार्यसमिति में कुल 44 पदाधिकारियों और सदस्यों को जगह दी गई है। इसमें जिला उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री समेत अन्य संगठनात्मक जिम्मेदारियां शामिल हैं।

सूची जारी होने के बाद से ही नियुक्तियों को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा शुरू हो गई। गौरतलब है कि भाजपा प्रदेश इकाई ने अक्टूबर में महिला, किसान और अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्षों की नई सूची जारी की थी। इसमें कुशीनगर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी रूपम राव को सौंपी गई थी। इसके बाद जिला स्तर पर नई टीम का गठन किया गया। नई कार्यसमिति में स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर तैनात एएनएम किरण पांडेय को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति को लेकर भी चर्चा हो रही है। इस मामले में सीएमओ डॉ. चंद्रप्रकाश ने कहा कि जानकारी जुटाई जाएगी और संबंधित कर्मचारी से जवाब मांगा जाएगा। पूनम जायसवाल के आरोपों पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रूपम राव ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि उन्हें इस संबंध में किसी लिखित शिकायत की जानकारी नहीं है। भाजपा एक परिवार की तरह है। संगठन में किसी को कोई समस्या है तो बैठकर बातचीत के जरिए उसका समाधान निकाला जाएगा।

कुल 31 प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन



संवाददाता—श्रावस्ती। माडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन श्रावस्ती के वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन के दूसरे दिन 15 प्रत्याशियों ने नामांकन कराया। कार्यकारिणी के 23 पदों के सापेक्ष 31 प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया है। एल्डर कमेटी के चेयरमैन सालिकराम पाण्डेय ने बताया कि गुरुवार को अधिवक्ता संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर दिनेश कुमार पाठक व विनोद कुमार श्रीवास्तव ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं महामंत्री पद पर चन्द्र कुमार मिश्र, वेदप्रकाश मिश्र व अभिषेक त्रिपाठी ने नामांकन कराया। श्री पाण्डेय ने बताया कि मध्य उपाध्यक्ष पद पर अमरेन्द्र सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया। संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) पद पर मेराज अहमद ने पर्चा दाखिल किया। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राधेश्याम यादव ने नामांकन कराया है। कोषाध्यक्ष पद पर सदानंद त्रिपाठी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। जबकि वरिष्ठ सदस्य पदों पर रामराज पाठक, नीरज कुमार पाण्डेय व राजीव टंडन ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं कनिष्ठ सदस्य पद पर अंकित कुमार शुक्ल, रवीश कुमार पाठक व मोहम्मद सलीम राइनी ने नामांकन कराया है। बार एसोसिएशन के महामंत्री सतीश कुमार मौर्य ने बताया कि कई पदों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो जाएंगे। नामांकन के दौरान एल्डर कमेटी के सदस्य राम चरण यादव व प्रेम शंकर पाठक मौजूद रहे

ई–रिक्शा स्कैनर से मिलेगी चालक की जानकारी, पहले दिन 375 वाहनों पर लगे, मुकदमों का विवरण भी मिलेगा

संवाददाता—देवरिया। ई–रिक्शा और उनके चालकों की पहचान आसान बनाने के लिए यातायात विभाग ने नई पहल शुरू की है। अब जिले के सभी ई–रिक्शा पर स्कैनर लगाए जाएंगे। मोबाइल से स्कैन करते ही यात्री को वाहन संख्या, चालक का नाम, पता, मोबाइल नंबर और फोटो की जानकारी मिल सकेगी। इतना ही नहीं, चालक के खिलाफ दर्ज मुकदमों का विवरण भी उपलब्ध होगा। गुरुवार को पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में गोरखपुर रेंज के डीआईजी एस. चन्नप्पा ने दोपहर दो बजे इस योजना का शुभारंभ किया। डीआईजी ने एक ई–रिक्शा पर स्कैनर लगाकर और चालक का विवरण दर्ज कराकर अभियान की शुरुआत की।



उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से यात्रियों को सफर के दौरान चालक की पहचान और उससे जुड़ी जानकारी मिल सकेगी। किसी यात्री का सामान छूटने, विवाद होने या आपात स्थिति में वाहन और चालक का विवरण कुछ ही मिनटों में प्राप्त किया जा सकेगा। इससे पुलिस को भी संबंधित चालक तक पहुंचने में मदद मिलेगी और यात्रियों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। योजना के तहत ई–रिक्शा पर स्कैनर लगाने से पहले चालक का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जा रहा है।

सत्यापन पूरा होने के बाद ही वाहन पर स्कैनर लगाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने ई–रिक्शा चालकों से इस व्यवस्था को सहयोग करने और अपने वाहनों पर स्कैनर लगवाने का निर्देश दिया। अभियान के पहले दिन कुल 375 ई–रिक्शा पर स्कैनर लगाए गए। यातायात विभाग की ओर से शेष ई–रिक्शा पर भी स्कैनर लगाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात सत्येंद्र कुमार राय, क्षेत्राधिकारी सदर संजय कुमार रेड्डी, क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी मनोज कुमार सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ई–रिक्शा पर लगाए जाने वाले स्कैनर को मोबाइल से स्कैन करने पर यात्री को चालक से जुड़ी जरूरी जानकारी मिलेगी। इसमें चालक का नाम, पता, मोबाइल नंबर और फोटो के साथ वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर भी दर्ज रहेगा। इसके अलावा चालक के खिलाफ दर्ज मुकदमों का विवरण भी उपलब्ध होगा। इससे यात्री सफर शुरू करने से पहले चालक की पहचान कर सकेंगे। पुलिस के मुताबिक, इस व्यवस्था का उद्देश्य ई–रिक्शा से यात्रा करने वाले लोगों को अधिक सुरक्षित महसूस कराना और जरूरत पड़ने पर चालक की पहचान आसानी से उपलब्ध कराना है। यातायात विभाग की ओर से स्कैनर लगाने से पहले ई–रिक्शा चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। सत्यापन पूरा होने के बाद ही संबंधित वाहन पर स्कैनर लगाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, जिले में संचालित सभी ई–रिक्शा को इस व्यवस्था से जोड़ने की योजना है। इससे किसी यात्री का सामान वाहन में छूटने या किसी आपात स्थिति में पुलिस को वाहन और चालक की पहचान करने में सहूलियत होगी।

चंपारण मीट हाउस में लगी आग, 2 लाख का सामान जला



संवाददाता—गोण्डा। जिला मुख्यालय स्थित अंबेडकर चौराहे के पास संचालित चंपारण मीट हाउस में गुरुवार सुबह करीब 9 बजे अचानक आग लग गई। भट्ठी जलाने के दौरान तेल अधिक पड़ने से आग की लपटें तेजी से फैल गईं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय रेस्टोरेंट के अंदर एक कारीगर भट्ठी जलाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान भट्ठी में अधिक तेल पड़ जाने से आग अचानक भड़क उठी। आग की लपटें देखकर राहगीरों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी और खुद भी आग बुझाने में जुट गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया।

इस अग्निकांड में दुकान के अंदर रखा करीब 2 लाख रुपए का फर्नीचर, मीट पकाने के उपकरण, आटा, चावल और अन्य खाद्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। राहत की बात रही कि रेस्टोरेंट कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्र चलाने की जानकारी थी। इससे आग को शुरुआती स्तर पर फैलने से रोकने में मदद मिली। समय रहते आग पर काबू पा लेने से कोई जनहानि नहीं हुई। नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि अंबेडकर चौराहे के पास चंपारण मीट हाउस में सुबह भट्ठी सुलगाते समय तेल के कारण आग भड़क गई थी। पुलिस, दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। नुकसान का सटीक आकलन दुकान संचालक कर रहा है। सड़क के स्तर से करीब 5 फीट नीचे संचालित यह दुकान पिछले दो वर्षों से चल रही है। गनीमत रही कि आग की लपटें आसपास की अन्य दुकानों तक नहीं पहुंचीं, जिससे बाजार में बड़ा हादसा होने से टल गया।

जनसंख्या नियंत्रण हो, लेकिन जातीय–सामाजिक संतुलन भी बना रहे' –बृजभूषण

संवाददाता—गोण्डा। कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार सुबह करीब 11:20 बजे अपने आवास पर जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बृजभूषण सिंह ने कहा कि देश में एक वर्ग ऐसा है, जो जाति और व्यवसाय से अलग जनसंख्या नियंत्रण का पूरी तरह पालन कर रहा है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो इसका पालन नहीं कर रहे हैं। सरकार अगर दो या तीन बच्चों की सीमा तय करती है, तो उसका उल्लंघन करने वालों के मामले पर गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण का सवाल सिर्फ बच्चों की संख्या सीमित करने तक नहीं है। इसमें सामाजिक और जातिगत संतुलन को भी ध्यान में रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जाति को देश में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा कोई फैसला



नहीं होना चाहिए, जिससे किसी वर्ग का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाए। बृजभूषण सिंह ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व का उदाहरण देते हुए कहा कि जब राजनीतिक पार्टियां टिकट देती हैं या मंत्रिमंडल में जगह देती हैं, तो वहां भी संख्या और बहुमत का गणित देखा जाता है। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाते समय इस पहलू पर भी विचार करना होगा। पूर्व सांसद ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण जरूरी है, लेकिन इसके साथ सामाजिक और जातीय संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कानून का उद्देश्य ऐसा नहीं होना चाहिए कि किसी समुदाय या वर्ग की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी प्रभावित हो।

उनके बयान में जनसंख्या नियंत्रण के साथ जातीय प्रतिनिधित्व और राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में दो या तीन बच्चों की सीमा को लेकर किसी प्रस्तावित कानून का समर्थन या विरोध स्पष्ट रूप से नहीं किया।

बृजभूषण शरण सिंह तीन शोकाकुल परिवारों से मिले

संवाददाता—बलरामपुर। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को रेहरा बाजार क्षेत्र का दौरा कर तीन शोकाकुल परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत लोगों के परिजनों को ढांढस बंधाया और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, उनका काफिला दोपहर करीब 3रु40 बजे इटवा चौराहा, रेहरा बाजार और त्रिमुहानी होते हुए बनकटवा गांव पहुंचा। यहां उन्होंने ग्राम प्रधान विक्रम सिंह के निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इसके बाद वह धोबहा जुवारा मोड़, नए नगर बाजार, सरायखास और घासी पोखरा होते हुए साधूनगर बाजार पहुंचे। यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश तिवारी की भतीजी के निधन पर उनके परिवार से मिलकर शोक संवेदना जताई। इसी बाजार में भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बहरैची गुप्ता के निधन पर भी उनके परिजनों से मुलाकात की।

तीनों परिवारों से मिलने के बाद पूर्व सांसद का काफिला मद्दो भट्ठा बाजार के रास्ते आगे रवाना हो गया। उनके दौरे के दौरान स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

लाइसेंस नहीं मिलने पर पटाखा दुकानदारों का प्रदर्शन



संवाददाता—देवरिया। दीपावली पर अस्थाई पटाखा दुकान लगाने का लाइसेंस नहीं मिलने से नाराज दुकानदारों ने गुरुवार दोपहर 2 बजे एसडीएम कार्यालय परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी कर जल्द लाइसेंस जारी करने की मांग की।

दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने तय सरकारी शुल्क जमा कर दिया है, लेकिन अब तक लाइसेंस और दुकान नंबर आवंटन की स्थिति साफ नहीं हुई है। इससे उन्हें कारोबार शुरू करने को लेकर असमंजस है। व्यापारी नेता मंटू जायसवाल ने आरोप लगाया कि दीपावली पर 6, 7 और 8 नवंबर को अस्थाई पटाखा दुकान लगाने के लिए लाइसेंस जारी किए जाते हैं। दुकानदारों ने इसके लिए तय सरकारी शुल्क जमा किया है, लेकिन अब तक लाइसेंस जारी नहीं हुए और दुकान नंबर भी नहीं मिले हैं।

व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया पूरी करने की मांग की। उनका कहना है कि पटाखे बेचने का समय सीमित है और देरी से उन्हें आर्थिक नुकसान हो सकता है। मामले की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने एसडीएम को निर्देश दिया कि फायर ब्रिगेड से तुरंत एनओसी मिलने पर पात्र दुकानदारों को अस्थाई पटाखा दुकान के लाइसेंस जारी किए जाएं। इस निर्देश के बाद दुकानदारों को लाइसेंस मिलने की उम्मीद है।

डीएम ने खेत में धान की क्रॉप कटिंग देखी, उत्पादकता 14.350 किलो प्रति डिसमिल दर्ज

संवाददाता—बलरामपुर। डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन ने गुरुवार दोपहर 3 बजे तुलसीपुर तहसील के ग्राम बालापुर में धान की क्रॉप कटिंग का जायजा लिया। इसमें धान की उत्पादकता 14.350 किलोग्राम प्रति डिसमिल दर्ज की गई। ग्राम बालापुर की गाटा संख्या 1073 में किसान श्यामराज यादव पुत्र वैरागी, निवासी ग्राम लौकहवा के खेत में सीसीई ऐप के माध्यम से क्रॉप कटिंग कराई गई। निर्धारित मानकों के अनुसार फसल की कटाई की गई। इसके बाद उपज का वजन कर उत्पादकता का आकलन किया गया। डीएम ने मौके पर मौजूद रहकर पूरी प्रक्रिया देखी और अधिकारियों से उत्पादन के आंकड़ों की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि फसलों की वास्तविक उत्पादकता का आकलन कागजी आंकड़ों से नहीं, बल्कि खेतों में वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से किए गए प्रयोगों से होता है। क्रॉप कटिंग से मिले आंकड़े



जिले की कृषि उत्पादन क्षमता का सही आकलन करने में मदद करते हैं। इन्हीं के आधार पर कृषि योजनाओं और नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने किसान श्यामराज यादव से धान की खेती, फसल की स्थिति, पैदावार और कृषि से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसान को सरकारी धान क्रय केंद्र पर ही उपज बेचने के लिए प्रेरित किया। डीएम ने कहा कि सरकार किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान खरीद की सुविधा दे रही है। किसान बिचौलियों के बजाय सरकारी क्रय केंद्रों पर धान बेचकर इसका लाभ उठाएं। सरकारी क्रय केंद्र पर धान बेचने के बाद 48 घंटे के भीतर भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। डीएम ने जिले के किसानों से सरकारी क्रय केंद्रों पर ही धान बेचने और एमएसपी का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिले में धान खरीद के लिए कुल 37 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान बेचने के दौरान किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो और खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित की जाए। डीएम ने कहा कि किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाना, उनकी आय बढ़ाना और कृषि क्षेत्र को मजबूत करना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। निरीक्षण के दौरान राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी–कर्मचारी तथा किसान मौजूद रहे।

शिक्षकों ने पदोन्नति के लिए प्रदर्शन किया

संवाददाता—गोण्डा। शिक्षकों ने पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने जल्द पदोन्नति करने की मांग रखी। धरने में मंडलीय महामंत्री गजाधर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव और पंडरी कृपाल ब्लॉक के मंत्री राकेश कुमार शुक्ला ने अपने विचार रखे। जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र मिश्र ने बीएसए से 7 नवंबर तक पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने की योजना पर बात की। बीएसए ने कहा कि 7 नवंबर 2026 तक प्राइमरी की वरिष्ठता सूची और रिक्त पदों के मुकाबले पदों की संख्या की सूची जारी की जाएगी। उन्होंने 15 नवंबर 2026 तक पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने की बात कही। शिक्षकों ने कहा कि ऐसा नहीं होने पर वे फिर धरना–प्रदर्शन करेंगे। धरने में जिला कोषाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त महामंत्री आनन्द प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, भास्कर दूबे, सत्य प्रकाश, जिलामंत्री घनश्याम शुक्ल और गुलाम नबी शामिल हुए।

इसके अलावा जितेन्द्र कुमार तिवारी, संयुक्त मंत्री शिवार्चन सिंह, जिला ऑडिटर राजेन्द्र शुक्ला, कटरा ब्लॉक अध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव, इटियाथोक ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. रामराज, रूपईडीह ब्लॉक अध्यक्ष सूर्य मणि पाण्डेय और तरबगंज ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक तिवारी भी मौजूद रहे। तरबगंज ब्लॉक मंत्री सत्येंद्र सिंह, बेलसर ब्लॉक मंत्री मनोज कुमार शुक्ला, पंडरी कृपाल ब्लॉक मंत्री राकेश कुमार शुक्ला, कटरा ब्लॉक उपाध्यक्ष राजेश सोनी, रूपईडीह ब्लॉक उपाध्यक्ष राम प्रताप सिंह और इटियाथोक ब्लॉक कोषाध्यक्ष अशोक कुमार यादव भी धरने में शामिल हुए।

बेलसर ब्लॉक मीडिया प्रभारी संजय कुमार श्रीवास्तव के साथ ललित मिश्र, धर्मेन्द्र तिवारी, गिरीश पाण्डेय, आशीष जौहरी, इंद्र देव शुक्ला, गणेश दीक्षित, विनय गुप्ता, हनुमंत लाल पाण्डेय और वरुण वर्मा भी मौजूद थे। राजीव मिश्र समेत सैकड़ों शिक्षक धरने में शामिल हुए।

गोरखपुर महोत्सव 2027 की तैयारियां तेजः दिखेगी संस्कृति और विकास की झलक, अलग–अलग बनेंगे प्रवेश और निकास द्वार



संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव–2027 को भव्य, आकर्षक और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार चंपा देवी पार्क में संस्कृति, कला, साहित्य और लोक परंपराओं के साथ आधुनिक विकास की झलक भी देखने को मिलेगी। महोत्सव में आने वाले लोगों को मनोरंजन के साथ ज्ञान–विज्ञान, हस्तशिल्प, कृषि और तकनीक से जुड़ी प्रदर्शनियों का भी अनुभव मिलेगा। आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को कमिश्नर इन्द्र विक्रम सिंह ने चम्पा देवी पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के ले–आउट से लेकर मुख्य मंच, प्रदर्शनी, पुस्तक मेला, व्यावसायिक स्टाल और फूड कोर्ट के लिए प्रस्तावित स्थानों का जायजा लिया। साथ ही सभी संबंधित विभागों को अभी से तैयारियां शुरू कर समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए।

महोत्सव में ऑटोमोबाइल, हस्तशिल्प, कृषि और विज्ञान प्रदर्शनी प्रमुख आकर्षण होंगी। इनके लिए अलग–अलग स्थान चिह्नित किए जा रहे हैं। पुस्तक मेले के साथ व्यावसायिक स्टाल और फूड कोर्ट भी स्थापित किए जाएंगे। इससे लोगों को एक ही परिसर में मनोरंजन, खरीदारी, खानपान और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का अवसर मिलेगा। कमिश्नर ने कहा कि गोरखपुर महोत्सव जनपद की सांस्कृतिक विरासत, कला, साहित्य और लोक परंपराओं को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है। इसमें जिले के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इसलिए आयोजन की हर व्यवस्था पहले से दुरुस्त होनी चाहिए।

महोत्सव में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए कमिश्नर ने सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। वीआईपी और आम जनता के लिए अलग–अलग प्रवेश और निकास द्वार बनाए जाएंगे। पुलिस प्रशासन को रूट डायवर्जन और पार्किंग की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है, ताकि आयोजन के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा जाएगा। नगर आयुक्त को चंपा देवी पार्क के साथ रामगढ़ताल के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। आयोजन स्थल पर पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट, पेयजल टैंकर और डस्टबिन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि महोत्सव में आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करते हुए व्यवस्थाओं को समय से पूरा करें।

महोत्सव को केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित रखने के बजाय जिले की विकास यात्रा और उपलब्धियों को भी सामने लाने की तैयारी है। विज्ञान, कृषि और ऑटोमोबाइल प्रदर्शनियों के जरिये नई तकनीक और नवाचार से लोगों को रूबरू कराया जाएगा। हस्तशिल्प प्रदर्शनी में स्थानीय कला और उत्पादों को मंच मिलेगा। पुस्तक मेले से साहित्य और पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, फूड कोर्ट और व्यावसायिक स्टाल आयोजन को और आकर्षक बनाएंगे। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था इस तरह तैयार की जाए कि अलग–अलग गतिविधियों के लिए पर्याप्त जगह रहे और लोगों की आवाजाही सुगम बनी रहे। आयोजन की भव्यता के साथ सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं के मानकों से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल, नगर आयुक्त अजय जैन, उप निदेशक पर्यटन राजेंद्र यादव, जीडीए के मुख्य अभियंता किशन सिंह और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता यूपी सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला में अब दर्शकों को अंतरिक्ष की रोमांचक सैर का नया अनुभव मिलने जा रहा है। अमेरिका से मंगाया गया 17 मीटर व्यास का आधुनिक थ्री–डी डोम स्थापित हो चुका है। इसके साथ लगे फोर–के प्रोजेक्शन सिस्टम का ट्रायल भी पूरा कर लिया गया है। यह प्रदेश का सबसे बड़ा डोम है। लखनऊ की इंदिरा गांधी नक्षत्रशाला और रामपुर की आर्यभट्ट नक्षत्रशाला का डोम भी इससे छोटा है।

कमिश्नर इन्द्र विक्रम सिंह ने गुरुवार को नक्षत्रशाला और क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र का निरीक्षण कर आधुनिकीकरण और निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। नक्षत्रशाला के आधुनिकीकरण पर 46.88 करोड़ और महंत अवेद्यनाथ ज्ञान–विज्ञान पार्क पर 15.89 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। दोनों परियोजनाओं का इसी माह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकार्पण करेंगे।

ज्ञान–विज्ञान पार्क में डायनासोरियम, फन साइंस, इनोवेशन लैब, वीआर शो रूम, इंडोर एंसिएंट इंडियन साइंस गैलरी और किड्स जोन विकसित किए गए हैं। नक्षत्रशाला के चारों ओर स्पेस साइंस गैलरी भी बनाई गई है। पार्किंग, कैफेटेरिया, टिकट घर और स्मृति चिह्नों की दुकान तैयार हैं। एसटीपी, मुख्य प्रवेश द्वार, ओपन एयर थिएटर के टेन्साइल फैब्रिक और स्पेस गैलरी के कुछ हिस्सों में फिनिशिंग का काम चल रहा है।

कमिश्नर ने सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ खगोल विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

समावेशी शिक्षा दिव्यांग बच्चों के लिए होगी वरदान –अरुण प्रताप सिंह



–भारतीय बस्ती संवाददाता– पौली (संतकबीरनगर)। ब्लाक संसाधन केंद्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के समागत में गुरुवार को समेकित शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षाधिकारी अरुण प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षाधिकारी अरुण प्रताप सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा देना शिक्षकों के लिये चुनौती होता है। जिसे सरल बनाने के लिये यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिक्षक राष्ट निर्माता होता है। सभी लोग लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करे और विद्यालय पर दिव्यांग बच्चों को सरल विधि से शिक्षा प्रदान करे। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को बच्चों के भविष्य निर्माण में सहायक होगा।

संदर्भदाता वीरेंद्र कुमार चौधरी, शंभू प्रसाद व धर्मराज ने समावेशी कक्षा में विविधताएं, समतापूर्ण और शिक्षा को समझाना, दिव्यांगता की श्रेणी सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में बताया।

प्रशिक्षण में रितेश पांडेय, मुख्तार अहमद, इफ्तेखार अहमद, राहुल पांडे, संतोष कुमार, अशोक कुमार यादव, रुपाली वर्मा, रिमिता यादव, लालचंद, महेंद्र अमरोही, अखिलेश कुमार गौतम व रामू सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

असली पुजारी भाजपा की ओर हैं, दूसरी तरफ नकली लोग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने गुरुवार को राजनीतिक पोस्टरबाजी को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने सपा के पोस्टर को गलत बताते हुए भाजपा के पोस्टर का समर्थन किया। राजभर ने धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को लेकर भी अखिलेश यादव की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि शास्त्री ने कुछ गलत कहा है तो वह पूरे प्रदेश में आंदोलन क्यों नहीं शुरू करते हैं? राजभर ने कहा कि अगर अखिलेश यादव भगवान श्रीकृष्ण को मानते हैं तो उन्हें मथुरा जाकर दर्शन करना चाहिए। ऐसा करने पर पोस्टर के संदेश में भी कुछ दम होता। उन्होंने कहा कि भाजपा के पोस्टर में भगवान राम का जिक्र किया गया है, जो सही है। भाजपा के लोग भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण, दोनों के दरबार में माथा टेकते हैं। ऐसे में भाजपा के पोस्टर का संदेश उचित है। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि असली पुजारी भाजपा की ओर हैं, जबकि दूसरी तरफ नकली लोग हैं। उन्होंने बसपा सुप्रीमो मायावती के बयान का हवाला देते हुए कहा कि पोस्टर के जरिए यही संदेश दिया जा रहा है कि नकलों से सावधान रहना चाहिए। ओमप्रकाश राजभर ने प्रतापगढ़ और अंबेडकर नगर में धीरेंद्र शास्त्री के संभावित कार्यक्रमों को लेकर अखिलेश यादव के दृवीट पर सवाल उठाए। कहा कि जिन जिलों में शास्त्री के कार्यक्रम होते हैं, अखिलेश यादव वहां दृवीट जरूर करते हैं, लेकिन उनके दृवीट और शास्त्री के काम में जमीन–आसमान का अंतर है। अगर उन्हें लगता है कि शास्त्री ने कुछ गलत कहा है तो पूरे प्रदेश में आंदोलन शुरू करें। क्या अखिलेश यादव जिंदा हैं या मर चुके हैं? अगर उनमें दम है तो सड़कों पर उतरकर अपनी असली बहादुरी दिखाएं।

रोजगार मेले का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। युवाओं को रोजगार के अवसरों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सेवायोजन विभाग एवं मां गायत्री गंगा प्रसाद मिश्रा महिला पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को मां गायत्री गंगा प्रसाद मिश्रा महिला पी.जी कॉलेज कप्तानगंज के विद्यालय परिसर में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला का सकुशल आयोजन किया गया। उक्त मेले में 23 प्रतिष्ठित कंपनियों ने अपने–अपने लगभग 1050 विभिन्न पदों पर भर्ती करने हेतु आई थी। इस रोजगार मेला में मुख्य अतिथि चंद्र प्रकाश चौधरी अध्यक्ष नगर पंचायत कप्तानगंज विशिष्ट अतिथि अशोक कुमार मिश्रा संस्थापक महाविद्यालय,,डॉ अरविंद कुमार मिश्र निदेशक महाविद्यालय, डॉ मनोज कुमार चतुर्वेदी प्राचार्य महाविद्यालय व चन्द्र कान्त सिंह सहायक निदेशक सेवायोजन , अवधेन्द्र प्रताप वर्मा जिला सेवायोजन अधिकारी व अंजलि शर्मा सहायक सेवायोजन अधिकारी ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया । कार्यक्रम मेंअतिथिगणों द्वारा रोजगार मेला में विभिन्न कंपनियों में चयनित लगभग 11 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र/ ऑफर लेटर भी वितरित किया गया। इस रोजगार मेले में लगभग 875अभ्यर्थियो ने प्रतिभाग किया और 519 अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों हेतु अगले चरण हेतु शार्टलिस्टेड किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता एवं पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने किया ।

संगठन सर्वोपरि, सभी कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटें –नितिन नवीन



संवाददाता–गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को गोरखपुर में पार्टी पदाधिकारियों, पूर्व जनप्रतिनिधियों और एनडीए के घटक दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठकों में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों, संगठन की मजबूती और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक में नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा के लिए संगठन सर्वोपरि है। कार्यकर्ताओं के परिश्रम और निस्वार्थ सेवा के कारण ही पार्टी ने अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिशन 2027 को लक्ष्य बनाकर एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान किया। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव में पूरी ताकत से जुटने और विजय के संकल्प के साथ काम करने को कहा। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, प्रदेश सह–प्रभारी प्रदीप वर्मा, राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद संगीता यादव, प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा और क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय सहित प्रदेश, क्षेत्र और जिला स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का संचालन क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. बच्चा पांडेय नवीन ने किया।

इससे पहले भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी के पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि मिशन 2027 की सफलता के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने पूर्व जनप्रतिनिधियों से अपने राजनीतिक अनुभव और मार्गदर्शन के माध्यम से संगठन को मजबूत बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया। नितिन नवीन ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और कार्यकर्ताओं के उत्साह से पार्टी आगामी चुनाव की तैयारियों को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश में फिर से डबल इंजन सरकार बनाने का भरोसा जताया।

भाजपा अध्यक्ष ने एनडीए के घटक दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। इस दौरान गठबंधन की एकजुटता और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी घटक दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और प्रदेश में फिर सरकार बनाने के लिए काम करेंगे।

दीपोत्सव से पहले अयोध्या को दहलाने की फिर धमकी स्कूल को ईमेल आया, अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसिया

संवाददाता–अयोध्या। दीपोत्सव से पहले बम धमाकों की धमकियों से हड़कंप मचा है। बुधवार को जिला न्यायालय और परमा अकादमी के बाद गुरुवार को अमर पब्लिक स्कूल को ईमेल भेजकर दीपावली पर बम धमाके की चेतावनी दी गई। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। ईमेल भेजने वाले की पहचान और धमकी की सत्यता की जांच की जा रही है।

रामनगरी में दीपोत्सव के पहले बम धमाके की धमकी भरे ईमेल मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुधवार को जिला न्यायालय और परमा अकादमी को धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद गुरुवार सुबह एक बार फिर हड़कंप मच गया। इस बार देवकाली बाईपास के पास स्थित अमर पब्लिक स्कूल को ईमेल भेजकर दीपावली के दिन बम धमाके करने की चेतावनी दी गई है। लगातार मिल रही धमकियों से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह स्कूल प्रबंधन को धमकी भरा ईमेल मिला। इसमें दीपावली के दिन स्कूल में बम धमाका करने की चेतावनी दी गई। ईमेल की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रबंधन में अफरातफरी मच गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। गौरतलब है कि दीपोत्सव से ठीक पहले अयोध्या में अलग–अलग संस्थानों को निशाना बनाकर धमकी भरे ईमेल भेजे जा रहे हैं। बुधवार को जिला न्यायालय और परमा अकादमी को भी इसी तरह के ईमेल मिले थे। लगातार दूसरे दिन इस तरह की धमकियां मिलने से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले को गंभीरता से ले रही हैं। ईमेल भेजने वाले की पहचान और धमकी की सत्यता की जांच की जा रही है।



इससे पहले दीपावली के पहले अयोध्या में कोर्ट और बच्चों को बम धमाकों से प्रभावित करने की धमकी भरा मेल दो आईडी पर आया था। पहला मेल जनपद न्यायालय की अधिकृत आईडी पर आया है, जिसमें कोर्ट परिसर में आठ नवम्बर को बम विस्फोट करने की बात कही गई है। दूसरा मेल रामनगरी के एक स्कूल को मिला है। जिसमें कथित तौर पर खालिस्तान नेशनल आर्मी के मेल में बम धमाकों का निशाना बच्चों को बनाने की चेतावनी दी गई है। काशी और मथुरा में भी बम धमाकों की धमकी दी गई है। बुधवार को न्यायालय की ईमेल आईडी पर एक ईमेल मिला। इस मेल में न्यायालय परिसर में आठ नवम्बर को बम विस्फोट तथा 27 नवम्बर तक इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने की धमकी दी गई है। रामनगरी स्थित स्कूल परमा एकेडमी को बम धमाके होने का ईमेल मिला है। ईमेल में दीपावली पर बम धमाके होने तथा इसका निशाना बच्चों के होने की बात कही गई है। ईमेल भेजने वाले ने अपना परिचय खालिस्तान नेशनल आर्मी के इंजीनियर गुरनाख सिंह, डा. गुरनिरवैर सिंह के रूप में दिया है।

घर में युवक के साथ पकड़ी गई महिला, वीडियो वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार को ग्रामीणों ने एक घर में युवक के साथ मौजूद शादीशुदा महिला को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। महिला दो बच्चों की मां बताई जा रही है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसकी सत्यता की पुष्टि नहीं हुई है।

दीपोत्सव में स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच, 12 स्थानों पर एंबुलेंस तैनात



संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और मार्गदर्शन में दीपोत्सव 2026 में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर व्यापक चिकित्सा व्यवस्था की गई है। दीपोत्सव के दौरान लाखों लोगों की संभावित भीड़ को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रमुख आयोजन स्थलों पर एंबुलेंस तैनात करने के साथ मोबाइल चिकित्सा टीमों और अस्पतालों में उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की है। आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए मेला कंट्रोल रूम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संपर्क नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को इलाज के लिए भटकना न पड़े। दीपोत्सव के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 12 प्रमुख स्थलों पर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। इनमें लक्ष्मण किला, भजन संध्या स्थल, चौधरी चरण सिंह घाट, नागेश्वरनाथ, वीणा चौराहा (लतामंगेशकर चौक), कारसेवकपुरम, हनुमानगढ़ी, हनुमानगुफा, साकेत पेट्रोल पंप, श्रीराम जन्मभूमि (परिकोटा), कनक भवन मंदिर परिसर और कंट्रोल रूम शामिल हैं। इन स्थलों पर तैनात एंबुलेंस के माध्यम से श्रद्धालुओं को जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता और अस्पताल पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। आपात स्थिति में सरकारी चिकित्सा केंद्रों के साथ निजी अस्पतालों में भी उपचार उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से जारी आदेश के अनुसार अयोध्या के 12 निजी चिकित्सालयों में पांच–पांच बेड आरक्षित रखे जाएंगे। इनमें अग्रिम हॉस्पिटल, हर्षण हृदय संस्थान, झुनझुनवाला हॉस्पिटल, देवा मेमोरियल मेडिकल सर्जिकल मैटरनिटी नर्सिंग होम, निर्मला हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर, दिव्य हॉस्पिटल, सोना हॉस्पिटल, जगत हॉस्पिटल, मेडिसिटी सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, चिरंजीव हॉस्पिटल, गोमती हॉस्पिटल तथा संजाही हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर शामिल हैं। इन अस्पतालों में आकस्मिक चिकित्सा के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और मरीजों को तत्काल उपचार देने के निर्देश दिए गए हैं।

मेला क्षेत्र में मोबाइल चिकित्सा टीमों की तैनाती भी की गई है। राम की पैड़ी सहित प्रमुख आयोजन स्थलों पर मोबाइल टीमों के जरिए श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार और आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इन टीमों के लिए निर्धारित समयानुसार ड्यूटी व्यवस्था बनाई गई है, जिससे दिन और रात के विभिन्न समय में चिकित्सा सहायता उपलब्ध रहे।

मोबाइल टीमों के साथ चिकित्सा कर्मियों की तैनाती और समन्वय के जरिए मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर आगे के उपचार के लिए अस्पताल भेजने की व्यवस्था भी रहेगी। दीपोत्सव के दौरान किसी श्रद्धालु या पर्यटक को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर मेला स्वास्थ्य कंट्रोल रूम के नंबर 8881004894 पर संपर्क किया जा सकता है। मेला अधिकारी (स्वास्थ्य) डॉ. राममणि शुक्ला के मोबाइल नंबर 9451085935 पर भी सहायता के लिए संपर्क किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों और चिकित्सा कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि दीपोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चिकित्सा व्यवस्था को लेकर सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय संतकबीरनगर
मु0 नं0–109/2013
राजमन आदि
बनाम
फौजदार आदि
1/1 आकाश उम्र 20 वर्ष 7/2 अमन उम्र 18 वर्ष पुत्रगण कमलेश 7/3 श्रीमती पुनीता उम्र 60 वर्ष विधवा कमलेश साकिनान मौजा काली जगदीशपुर तप्पा महोवरा परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर 2/1 आदर्श उम्र 23 वर्ष पुत्र प्रहलाद 2/2 गुड़िया उम्र 35 वर्ष पुत्री प्रहलाद 2/3 श्रीमती द्रोपती उम्र 55 साल विधवा प्रहलाद ग्राम काली जगदीशपुर तप्पा महोवरा परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर 13/1 सन्तोष उम्र 40 वर्ष 13/2 प्रमोद उम्र 35 वर्ष 13/3 पंकज उम्र 30 वर्ष पुत्रगण रमेशचन्द 13/4 श्रीमती दुर्गावती आयु 56 वर्ष विधवा रमेशचन्द साकिनान मौजा काली जगदीशपुर तप्पा महोवरा परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 08–12–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुदाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 08 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 04 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
कायमी मुत0 नं0–04/2025
मुक्तेश्वर
बनाम
प्रेमशंकर
1/1 राधिका सिंह उम्र लगभग 60 साल विधवा पत्नी स्व0 प्रेमशंकर सिंह 1/2 संजय सिंह उम्र लगभग 40 साल 1/3 प्रदीप सिंह उम्र लगभग 37 साल 1/4 पंकज सिंह उम्र लगभग 35 साल पुत्रगण प्रेमशंकर सिंह निवासीगण ग्राम साहूपार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 21–12–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 21 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 05 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0 215/2026
सोनबरसा–सायल
सोनबरसा आयु करीब 75 साल पत्नी राम छट्ठी साकिन भूपालपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
–आवेदिका
तारीख पेशी 26–11–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत जिला जज महोदय बस्ती बतारीख पेशी 26–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी बलवन्त कुमार पुत्र श्री जगराम ग्राम– कंवचा पोस्ट–बेइली जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरा पुत्र आदर्श जवाहर नवोदय विद्यालय रूधौली में कक्षा 9 का छात्र है। कक्षा 5 के टी.सी. में उसका नाम आदर्श गौतम अंकित था जबकि आधारकार्ड एवं अन्य अभिलेखों में उसका नाम आदर्श अंकित है। कक्षा 9 में उसका सही नाम आदर्श अंकित कराया जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मंगला प्रसाद उर्फ मंगरू प्रसाद गिरी पुत्र रया प्रसाद ग्राम– रमवापुर पोस्ट– ऊंजी जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मंगला प्रसाद और उर्फ मंगरू प्रसाद गिरी मेरा ही नाम है। दोनों नाम मेरे हैं। आधारकार्ड में मेरा नाम मंगला प्रसाद है। मुझे दोनों नाम से जाना व पहचाना जाय।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शहेदा खातून पत्नी निहाल अहमद व तलहा निहाल पुत्र निहाल अहमद निवासी ग्राम औसानपुर वार्ड नं. 10, अश्फाक नगर डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर के है अपनी पैतृक भूमिधरी गाटा संख्या 301,व 303 में से रकबा 1545 वर्गफीट जमीन,मय मकान, दुकान स्थित ग्राम कोसोखुर्द बुजुर्ग तप्पा हल्लौर परगना रसूलपुर जिला सिद्धार्थनगर जिसकी चौहदी पूरब मकान मकबूल खान पश्चिम डुमरियगंज से बस्ती सड़क उत्तर मकान मकबूल हसन दक्षिण मकान अनावारूल हक है का बैनामा संजीव कुमार, राजीव कुमार पुत्र राममोहन निवासी ग्राम वार्ड नं0–4. सुभाष नगर डुमरियगंज जिला बस्ती को करने हेतु सहमत है जिस किसी को इस गांटे 301 व 303 के बैनामे से कोई आपत्ति अथवा उनकाहित समाहित हो वे आज नोटिस प्रकाशन के एक सप्ताह के अन्दर मेरे पत्ते पर अथवा मै पीरामल फाइनेन्स कम्पनी से ऋण लेकर यह भूखण्ड व शाप क्रय कर रहा हूँ के अधिवक्ता श्री अनिल कुमार पाण्डेय एडवोकेट सिविलवार एसोसिएशन बस्ती कमरा नं0– 28 जनपद बस्ती का मोबाइल नं0–9721610471 पर वाट्सअप के माध्यम से लिखित व काल कर दे सकते है।

भवदीय
अनिल कुमार पाण्डेय

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com